

प्रेषक,

संख्या / 399 / XXIV-3 / 2006 / 2(79) / 68

एस0 के0 माहेश्वरी,
राधिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-3 देहरादून

दिनांक 22 अगस्त, 2006

विषय: ट्राईबल सब प्लान के अन्तर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विशोगिलानी, देहरादून के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: नियोजन-4/14846/ ट्राईबल सब प्लान/ दिनांक 29-6-2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय ट्राईबल सब प्लान के अन्तर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विशोगिलानी, देहरादून के भवन निर्माण हेतु उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम, देहरादून ईकाई देहरादून द्वारा गठित आगणन रू0 184.26 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित लागत रू0 79.65 लाख पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए अनुमोदित लागत के सापेक्ष रू0 21.00 लाख (रुपये इक्कीस लाख मात्र) की धनराशि को, शासनादेश संख्या: 233/XXIV-3/2006 दिनांक 27-4-2006 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 21.00 लाख में से, व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1)- उल्लिखित विद्यालय जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामों / वाडों में स्थित होने पर ही धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- (2)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।



- (3)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/ भानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- (4)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (5)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेपअप किया जाय।
- (6)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (7)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं मूगर्वरेक्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
- (8)- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (9)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा सपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (10)- जी०पी०डब्ल्यू० फार्म ९ की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- (11)- किसी भी कार्यालय / संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिग्री कालेजों/ मेडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एच०आई०सी० के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जायें।
- (12)- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या: 2047XIV-219(2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम

क

में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराने का कष्ट करें।
(13)- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एजेंसी उत्तरदायी होगी।

2- उपर्युक्त घनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत घनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-31 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-796- जनजातीय क्षेत्र उपयोजना - 03-माध्यमिक विद्यालयों के भवनों का निर्माण / जीर्णोद्धार -24- गृह निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-472/वित्त -3/06 दिनांक 8-8-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(एस0 के0 माहेश्वरी)
सचिव

संख्या: 377 (1)/XXIV-3/2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 6- अपर सचिव, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन।
- 7- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।

२

- 8- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 9- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, देहरादून।
- 11- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 12- वित्त अनुभाग-3 / नियोजन प्रकोष्ठ।
- 13- कार्यालय मा० मुख्यमंत्री, घोषणा अनुभाग।
- 14- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तरांचल, देहरादून।
- 15- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- 16- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(गणेश प्रसाद तिवारी)
अनु सचिव